भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 3095
गुरुवार, 6 अगस्त, 2026/15 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

अकोला में हवाई संपर्क को मज़बूत करना

3095. श्री अनूप संजय धोत्रेः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या संशोधित उड़ान योजना के तहत परिचालन या विस्तार के लिए अकोला विमानपत्तन के नाम पर विचार किया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा तथा इसकी वर्तमान स्थिति क्या है, साथ ही इसके लिए प्रदान की गई सहायता का ब्यौरा क्या है; और

(ख) उक्त योजना के अंतर्गत, विशेष रूप से महाराष्ट्र में अकोला सहित, परिचालन संबंधी व्यवहार्यता को मजबूत करने, यात्री यातायात बढ़ाने और क्षेत्रीय हवाई संपर्क में सुधार करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं/किए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): सरकार ने 28,840 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2035-36 तक दस वर्षों की अवधि के लिए दिनांक 04.07.2026 को 'उड़ान' योजना के अगले चरण का शुभारंभ किया है। इसमें 100 हवाईअड्डों के विकास के लिए भारत सरकार से 12,159 करोड़ रुपये की बजटीय सहायता भी शामिल है।

यह योजना एक चैलेंज मोड फ्रेमवर्क प्रदान करती है जिसके तहत राज्य सरकारें विकास हेतु एयरोड्रोमों और हेलीपैडों को निर्धारित कर सकती हैं। प्रस्तावों का मूल्यांकन बाधा-रहित भूमि की उपलब्धता, अवसंरचनात्मक तैयारी, तकनीकी और प्रचालन व्यवहार्यता, यातायात क्षमता, सांविधिक मंजूरियों और राज्य सरकार के समर्थन के आधार पर किया जाता है।

परिचालन व्यवहार्यता और यात्री यातायात को बढ़ाने के लिए, इस योजना में पांच वर्ष तक विस्तारित वीजीएफ तंत्र को शामिल किया गया है, जो एयरलाइनों को वाणिज्यिक रूप से संधारणीय परिचालनों की ओर बढ़ने में उत्तरोत्तर सक्षम बनाता है। यह योजना हवाईअड्डा अवसंरचना के विकास और उन्नयन का भी समर्थन करती है और राज्य सरकारों को सुलभ उपाय प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करती है। ये उपाय महाराष्ट्र सहित पूरे देश में लागू हैं।

******